डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 31 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 13 नवम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant International Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

परीक्षा परिणामों को समय से जारी करने की कवायद...

कापियों का डिजिटल मूल्यांकन होगा

भोपाल, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। राज्य के विश्वविद्यालयों में परीक्षा और उसका परिणाम जारी करने में देरी को रोकने के लिए उच्च शिक्षा विभाग तकनीक की मदद लेने जा रहा है। विभाग ने विश्वविद्यालय परीक्षाओं की कापियों का डिजिटल मूल्यांकन कराने की योजना बनाई है। कहा जा रहा है कि इस प्रक्रिया से मूल्यांकन का काम 15 दिन में पूरा हो जाएगा, जिससे 20 दिन में परिणाम जारी किए जा सकते हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने पिछले सत्र में इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में एक छोटी परीक्षा में डिजिटल मूल्यांकन का प्रयोग किया था। परिणाम आशा के अनुरूप आए तो सभी विश्वविद्यालयों को इसका प्रस्ताव तैयार करने को कह दिया गया है। अगले सत्र से इसका विस्तार संबद्ध महाविद्यालयों की परीक्षाओं तक हो जाएगा। प्रदेश के दूसरे राज्य विश्वविद्यालयों को भी तब तक डिजिटल मूल्यांकन की अपनी प्रणाली विकसित कर लेनी है। प्रदेश में आठ राज्य विश्वविद्यालयों और उनसे संबद्ध 1323 महाविद्यालयों में करीब 14 लाख विद्यार्थी हर साल परीक्षाओं में बैठते हैं।

कापी को स्कैन कर परीक्षक को भेजेंगे...

डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत सभी परीक्षा केंद्रों से कापियां निर्धारित केंद्र पर जमा कराई जाएंगी। वहां कापियों को स्कैन कर एक साफ्टवेयर पर अपलोड किया जाएगा। परीक्षकों को इसी साफ्टवेयर पर पंजीकृत कर उनको लागइन, पासवर्ड जारी किया जाएगा। उसी से परीक्षक कापियों को खोल पाएंगे। इस सिस्टम में परीक्षक को यह जानकारी नहीं मिलेगी कि उत्तरपुस्तिका किस जिले, कालेज अथवा परीक्षार्थी की है। मूल्यांकन के साथ ही पत्रक पर अंक भी चढ़ा दिए जाएंगे।

अभी ऐसी है मूल्यांकन की प्रक्रिया...

परीक्षा केंद्रों से उत्तर पुस्तिका विश्वविद्यालय आती हैं। विश्वविद्यालय की गोपनीय शाखा में बंडल तैयार होते हैं। ये बंडल दूसरे जिले के सरकारी कालेजों में बने नोडल सेंटर पर भेजे जाते हैं। यहां से मूल्यांकनकर्ता को दी जाती हैं। जांचने के बाद शिक्षक वापस उसी नोडल सेंटर पर जमा करते हैं। मूल्यांकन होने पर नोडल सेंटर विवि को भेजते हैं। विवि में विषयवार एकत्रित कर रिजल्ट तैयार करने के लिए कंप्यूटर सेंटर भेजी जाती है। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग दो से तीन महीने का समय लगता है।

इनका कहना–सभी विश्वविद्यालयों में परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं का डिजिटल मूल्यांकन कराया जाएगा। सबसे पहले बीयू से इसकी शुरुआत होगी।

अनुपम राजन, प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग भोपाल

शिव के वादे को भूले मोहन..!

सत्तर प्रतिशत वालों को लेपटॉप नहीं, स्कूटी की भी उम्मीद कम

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मप्र सरकार की बारहवीं के मेधावी विद्यार्थियों को लेपटॉप और स्कूटी देने की योजना है। अगले माह लेपटॉप की राशि विद्यार्थियों को मिलने की उम्मीद है। इसके लिए 75 प्रतिशत या उससे ज्यादा अंक लाने वालों की जानकारी मांगी गई है। लेकिन, यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान का वादा पूरा नहीं हो पा रहा है। फिलहाल 70 प्रतिशत अंक लाने वाले या सीबीएसई के विद्यार्थियों के संबंध में कोई निर्देश या जानकारी नहीं मांगी गई है। इससे माना जा रहा है कि योजना का क्रियान्वयन हर बार की तरह ही होगा।

यह मांगी जानकारी...

लोक शिक्षण संचालनालय ने जिला शिक्षाधिकारियों को पत्र लिखकर जानकारी मांगी है। जिसमें कहा गया है कि 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले 2699 विद्यार्थियों ने हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की है अथवा नहीं की, पुष्टिकर संचालनालय को शीघ्र अवगत करायें। क्योंकि, 2699 छात्र अन्य राज्य / बोर्ड से संबंधित होने के कारण ऐसे छात्र-छात्राओं की प्रथम प्रयास में परीक्षा उत्तीर्ण करने संबंधी पुष्टिमंडल स्तर से किया जाना संबंध नहीं है।अत: 2699 विद्यार्थियों ने हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की है अथवा नहीं, इसकी पुष्टि आपके स्तर से की जाना है। क्योंकि विगत वर्षों में उक्त योजना का लाभ केवल प्रथम प्रयास में हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों को दिया जाता रहा है।

यह कहा था पूर्व सीएम ने...

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले साल एक कार्यक्रम के दौरान घोषणा की थी। जिसमें इस बार सीबीएसई के विद्यार्थियों को भी इस योजना में शामिल करने की बात की थी। इसके अलावा उन्होंने 70 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को भी इस योजना में शामिल करने की बात कही थी। लेकिन, फिलहाल उनकी घोषणा पर अमल होता नजर नहीं आ रहा है।

शिवराज के साथ चला गया स्कूटी का वादा भी...

भाजपा सरकार ने पिछले साल से 12वीं के सभी स्कूलों के एक-एक टॉपर को मुफ्त स्कूटी देने का निर्णय लिया था। पिछले साल सरकारी स्कूल के हर एक टापर को स्कूटी दी गई थी। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि वर्ष 2024 से निजी स्कूलों के टापर के लिए भी यह योजना लागू की जाएगी। इस पर भी निर्णय नहीं हो पाया है।

चौदह साल पहले शुरू हुई योजना...

शासन ने वर्ष 2009-10 में प्रतिभाशाली छात्र-छात्रा प्रोत्साहन योजना शुरू की थी। इसके तहत 2017 तक 12वीं में सामान्य एवं ओबीसी विद्यार्थियों को 85 प्रतिशत अंक लाने पर एवं एससी,एसटी एवं विमुक्त, घुमक्कड़ समुदाय से आने वाले विद्यार्थियों को 75 फीसद अंक लाने पर लेपटाप की राशि दी जाती थी। वर्ष 2018 में एक कार्यक्रम के दौरान कुछ विद्यार्थियों की मांग पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 75 फीसदी अंक लाने वाले सभी वर्ग के विद्यार्थियों को लेपटाप की राशि देने की घोषणा की थी।

श्याम बाबा की भक्ति में डूबे भक्त

कोलकाता के विशेष फूलों से बाबा का श्रृंगार, 56 भोग लगाए गए

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार को देशभर में खाटू श्यामजी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर मंदसौर के संजीत रोड स्थित श्री खाटूश्याम मंदिर के साथ ही मल्हारगढ़ में नवनिर्मित खाटू श्याम मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगने लगी थी। सुबह छह बजे मंगला आरती के बाद बाबा के दर्शन का सिलसिला शुरू हुआ जो देर रात तक जारी रहा। इस दौरान मंदिर को रंग बिरंगे फूलों और आकर्षक लाइट से सजाया गया है। मंदसौर में सुबह 10 बजे बाबा श्याम की निशान यात्रा शुरू हुई, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई खाटू श्याम मंदिर पहुंची। खाटूश्याम बाबा के जन्मोत्सव पर मंगलवार को दिनभर मंदिर में कई तरह के आयोजन चलते रहे। वहीं, शाम को भजन संध्या का आयोजन हुआ।

विशेष फूलों से श्रृंगार, 56 भोग लगाया गया...

मंदसौर खाटू श्याम मंदिर के पुजारी हनुमान प्रसाद ने बताया कि आज बाबा श्याम का अलौकिक श्रृंगार किया गया है। कोलकाता से मंगवाए विशेष गुलाब के फूलों से बाबा का श्रृंगार किया गया। वहीं, मंदिर को भी विशेष फूलों के साथ आकर्षक लाइट से सजाया गया है। इसके साथ ही श्याम बाबा को 56 भोग लगाया गया है।

श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला...

लोगों की जेब पर भारी रहेगी महंगाई

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। देव प्रबोधिनी एकादशी से श्री पशुपतिनाथ महादेव का पाटोत्सव मेला प्रारंभ हो गया। हालाकि, अभी झूले चकरी और दुकानें पूरी तरह से सेट नहीं हो पाई है। मेला कार्तिक पूर्णिमा से ही जम पाता है। हर बार लाटरी सिस्टम से दुकानों का आवंटन किया जाता रहा है। इस बार न्यूनतम मूल्य निर्धारित कर दुकानों के लिए टेंडर प्रक्रिया अपनाई गई। इसमें कालाबाजारी तो रुक गई। लेकिन, चार हजार की दुकान दस हजार में तो 45 हजार रुपए का झूले चकरी का स्थान या अन्य बड़ी साइज की दुकान एक लाख से उप्पर तक गई। नगरपालिका को भी इस प्रक्रिया से खासी आमदनी हुई। लेकिन, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार बढ़ी हुई राशि दुकानदार रेट बढ़ाकर आम जनता से ही वसूल करेंगे। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस बार झूले चकरी सहित अन्य सामान के दामों में बढ़ोतरी हो सकती है। बता दे कि दूसरे चरण के तहत रविवार को दुकान आवंटन प्रक्रिया की गई थी। नपा के राजस्व विभाग के अनुसार कार्तिक मेले में मनिहारी, होटल, रेस्टोरेंट, झूले-चकरी, जनरल आइटम की कुल 636 अस्थायी दुकानें लगना है।

बात करें इस बार मेले में महंगाई की। एक समय 10 रुपए रोज के हिसाब से जगह लेकर दुकान लगाने वाले सालिगराम ने बताया कि 2022 में करीब दो हजार रुपए में दुकान लगाई थी। इसके बाद पिछले साल अर्थात 2023 में दुकान का मूल्य करीब दुगना अर्थात 4 हजार रुपए चुकाया था। लेकिन, इस बार कीमत 10 हजार रुपए हो गई। ऐसे में दुकान की लागत निकालने के साथ ही लाभ कमाना मुश्किल होगा। मतलब साफ है कि चार हजार की दुकान के दस हजार हुए है तो झूले चकरी की जगह जो 40-45 हजार में निकलती थी, वह एक लाख से ज्यादा में गई है। मतलब झूले चकरी का मूल्य अब दुगुना चुकाना पड़ सकता है।

इस बार ऐसे हुआ दुकानों का आवंटन...

हर बार की बात करें तो निर्धारित मूल्य दुकानों का साइज के हिसाब से किया जाता है। पर्ची निकालकर लाटरी सिस्टम से दुकानें आवंटित की जाती है। ऐसे में स्थानीय लोगों के साथ कुछ कर्मचारी कई दुकानें सेल करने के लिए खरीद लेते हैं। बाहर से आने वाले व्यापारियों की दुकानें लाटरी सिस्टम में नहीं खुलने पर उन्हें चार गुने दाम तक बेचते रहे हैं। लेकिन, इस बार दुकानों का मूल्य निर्धारित कर टेंडर बुलाए गए। ऐसे में कहीं न कहीं कालाबाजारियों और कुछ कर्मचारियों को निराशा हाथ लगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमः किसे बुलाए चल रहा मंथन...

मेला समिति के अनुसार सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए ऑनलाइन टेंडर प्राप्त हो गए हैं। अभिनेता, गीतकारों से लेकर कवियों और अन्य कलाकारों के 138 नाम शामिल हैं। नपा के अनुसार कलाकारों के रेट आ गए है। कलाकारों के रेट का तुलनात्मक अध्ययन किया जाएगा। इसके बाद डेट कन्फर्म करके नपा के बजट में आने को तैयार कलाकार को बुलाने पर विचार किया जाएगा। सांस्कृतिक नृत्य, संगीत कार्यक्रम सभी इसमें शामिल होंगे। स्थानीय कलाकारों के लिए भी मेला अवधि में अलग तिथि रखी जाएगी। वैसे सभी कार्यक्रम कार्तिक पूर्णिमा से ही शुरु होंगे।

प्याज के दाम कम मिलने को लेकर...

किसानों ने बंद किया मंडी का गेट, नारेबाजी भी की

नीमच, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर की नई कृषि उपज मंडी चंगेरा में मंगलवार दोपहर किसानों ने प्रदर्शन किया। किसानों ने प्याज का दाम कम मिलने और मंडी की अवस्थाओं को लेकर विरोध जताया। किसानों ने मुख्य गेट को बंद कर दिया। इस दौरान नारेबाजी भी की। मंडी प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों से चर्चा की।

किसानों का कहना है कि मंडी में आने वाले किसानों को न तो सुविधा मिल रही है और न पीने के लिए पानी मिल रहा है। किसानों .. शेष पेज 4 पर

प्रेमी ने दोस्त के साथ मिलकर प्रेमिका के पति की कर दी हत्या

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सुवासरा थाना क्षेत्र में लगभग 15 दिन पहले हुए हत्याकांड का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। मृतक की पत्नी के दूसरे व्यक्ति के साथ अवैध संबंध थे। जिसके चलते पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या के आरोपी महिला के प्रेमी और उसके साथी दोनो को गिरफ्तार कर लिया है।

सुवासरा थाना टीआई कमलेश प्रजापति ने बताया कि 27 अक्टूबर को तरनोद निवासी नीरज सिंह पिता बगदुसिंह की संदिग्ध परिस्थितियों मौत हो गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम करवाया। पीएम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या करने की पुष्टिहुई। मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने मृतक के परिजनों सहित गांव के लोगों से बयान लिए। इसमें गांव के ही राजेन्द्रसिंह पिता हरपालसिंह सौंधिया राजपुत उम्र 27 साल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि मृतक नीरज की पत्नी से उसके अवैध संबंध थे। नीरज को इसका पता चला तो उसने झगडा शुरू कर दिया। इसके बाद प्रेमिका के पति को रास्ते से हटाने के लिए आरोपी राजेन्द्र सिंह ने अपने दोस्त प्रधान सिंह पिता बालु सिंह सौंधिया उम्र 24 साल निवासी निपानिया थाना शामगढ को अपने साथ शामिल किया। दोनों कार से नीरज को अपने साथ ले गए। रास्ते में नीरज का गला घोंटकर हत्या कर दी। दोनों आरोपियों ने लाश को एक खेत मे फेंक दिया। मामले में पुलिस ने आरोपी प्रेमी राजेन्द्र सिंह और उसके साथी प्रधान सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

पति पर दुष्कर्म के आरोप पत्नियों का रक्षा कवच या बदले का हथियार..?

मंदसौर/उज्जैन, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शादीशुदा महिलाओं से पति भी अगर किसी तरह की जबरदस्ती करता है तो उसे वैवाहिक दुष्कर्म कानून के दायरे में प्रकरण भुगतना पड़ सकता है। इसमें पति के साथ अगर पत्नी ने अन्य रिश्तेदारों के नाम लिखाए होंगे तो वे भी आरोपी बनेंगे। फिर कानूनी भाग दौड़ की प्रताड़ना के साथ सजा का डर और आरोपियों को मानसिक, शारीरिक और सामाजिक स्तर पर आहत करता रहता है। यह अलग बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने 10 साल पहले कई सामाजिक संस्थाओं के आवाज उठाने पर 498 ए के मामले में तुरंत गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी। तब भी जिनके इरादे नेक नहीं थे, ऐसे प्रकरणों में छेड़खानी, दुष्कर्म और अप्राकृतिक सेक्स जैसे आरोपों में घेरा जाने लगा था।

रिश्तेदारों पर यौन शोषण के आरोप जड़े जाकर जैल भिजवाने की व्यवस्था कराई जाने लगी। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है कि अनेकों मामलों में पत्नियों के गंभीर आरोपों के कारण पति के रिश्तेदार तक कानूनी कार्रवाई की जद में आ जाते हैं। तब अधिकांश मामलों में लाखों रुपया लेकर बाद में समझौता कर लिया जाता है। इसी कारण समाज में इस प्रश्न ने महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है कि वैवाहिक दुष्कर्म का कठोर कानून बनाना जरूरी है? अभी जिन मामलों में कुछ सप्ताह या महीना चली शादी, फिर कानूनी प्रकरण फिर जितना मजबूत मामला उतनी अधिक रकम लेकर समझौता करना, ऐसी आम और सामान्य प्रक्रिया को परिवार से लेकर कोर्ट के बीच सेटलमेंट के नाम से अंजाम दिया जाता भी देखा जा सकता है।

चन्द्रमोहन भगत

इस बारे में कानूनी और सामाजिक स्तर पर अनेक विशेषज्ञ, लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता चिंता पाले हुए हैं और सक्रिय भी है कि किसी एक परिवार के एक पक्ष को कानून का इतना संरक्षण ना मिल जाए कि वह इसका दुरुपयोग कर दूसरे पक्ष को बर्बाद कर दें। सभी अपना-अपना पक्ष अपने विवेक से रख चुके हैं और रख भी रहे हैं। जानकारों का कहना है कि राष्ट्रीय महिला एवं बाल कल्याण और महिला आयोग इस कानून के समर्थन में नहीं है। जबकि, नारीवादी या नारी हित का संरक्षण करने वाली संस्थाएं लगातार इसके समर्थन में खड़े होकर कानून बनवाने के पक्ष में हैं। दरअसल महिला पुरुष या पति-पत्नी को समान अधिकार मिलना ही चाहिए। कुछ विद्वान और सामाजिक संस्थाओं ने जब समान अधिकार का पक्ष लेते हुए वैवाहिक दुष्कर्म के मामले को जेंडर मुक्त रखने की बात कही तब नारीवादियों ने आरोप लगाने जैसी भाषा में विरोध दर्ज कराया कि ऐसा हुआ तो पुरुष कानून का दुरुपयोग करेंगे, महिलाएं नहीं करेंगी। यह आश्वासन देना तो दूर ऐसा विचार करने को भी नारीवादी संगठन तैयार नहीं हो रहे हैं। कानून को जानने समझने वाले ये स्पष्ट मान रहे हैं कि अगर यह कानून भविष्य में पत्नी पक्षकारों के लिए पति के परिवार से उसको अथवा रिश्तेदारों को बचाने के लिए धन उगाही का एक सिस्टम भी बन जाएगा?

यह अलग बात है कि दुनिया भर में महिलाओं पर अत्याचार के प्रकरण जारी है। वर्ष 2022 में महिलाओं पर दुष्कर्म के 3690 प्रकरण थे। नेशनल क्राइम रिपोर्ट ब्यूरो के अनुसार भी प्रति 15 मिनट में एक महिला से दुष्कर्म होता है। वर्ष 2023 में 800 से अधिक ऐसे भी मामले उजागर हुए हैं, जिसमें पत्नी ने अपने साथी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। कई ऐसे मामले भी बने, जिसमें पुरुष ने पत्नी या प्रेमी महिला की प्रताड़ना से प्रताड़ित होकर आत्महत्या कर ली। समाज के निष्पक्ष विद्वानों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि कानून ऐसा बने की व्यभिचारी, झगड़ालू, बिगड़ैल महिला या पुरुष भी बेजा फायदा ना उठा सके। यानी ऐसा कानून न नारीवादियों के पक्ष में हो ना पुरुषों के। समान अधिकारों के तहत जेंडर मुक्त समाज में दोनों पक्ष को कानून के दायरे में बराबर हक मिले, कोई भी एक पक्ष बेजा फायदा नहीं उठा सकेगा। जब राइट टू इक्वलिटी यानी समता के अधिकार की संज्ञा दी जा रही है तो किसी एक पक्ष को सिर्फ इसलिए अतिरिक्त राहत नहीं दी जा सकती है कि वह महिला है। ऐसी मांग नारीवादी संगठन उठा रहे हैं। माना जा रहा है इस पर कानून विद, सामाजिक कार्यकर्ता, सर्वोच्च न्यायालय और सरकार गौर करेगी। ताकि किसी भी परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा आहत न हो। इस मामले में सदस्य विद्या परिषद विक्रम वि वि डॉ निशा महाराणा ने कहा कि किसी भी महिला की शिकायत पर बगैर गंभीर जांच के प्रकरण कायम न किए जाएं, जल्द बाजी में परिवार बिगड़ते हैं। अगर जांच में महिला द्वारा झूठे मामले दर्ज कराना पाया जाए तो उसके विरुद्ध भी कानूनी कार्यवाही की जाए।

प्रतीक मारु (अभिभाषक)

ऑफिस-एमआईजी-II, 208 किटियानी मंदसौर, मो.-9826265708

दिनांक-12.11.2024

****** जाहिर सूचना ******

मेरे पक्षकारगण दिलीप मेरावत पिता रमेशचंद्रजी मेरावत निवासी मेघनगर पंचकुई जिला झाबुआ व चंद्रशेखर कटारा पिता मोहनलाल कटारा निवासी जूनी रम्भापुर जिला झाबुआ से प्राप्त जानकारी के अनुसार जाहिर सूचना प्रकाशित की जा रही है कि मनोहरलाल चौधरी पिता श्री रामचंद्र कलार निवासी बस स्टेण्ड बिलांत्री, तहसील व जिला मंदसौर के स्वत्व स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि जिसका सर्वे क्रमांक 502, रकबा 0.7600 हेक्टेयर, सर्वे क्रमांक 503, रकबा 1.2100 हेक्टेयर कुल किता 02 कुल रकबा 1.9700 हेक्टेयर जो पटवारी हल्का नम्बर 60 ग्राम बिलांत्री, तहसील व जिला मंदसौर में स्थित है एवं जिसकी चतुर्सीमा पूर्व में बालाजी का मंदिर, पश्चिम में कारुलाल ब्राह्मण की जमीन, उत्तर में मंदसौर-सीतामऊ मेन रोड, दक्षिण में तालाब शासकीय स्थित है, उक्त सम्पत्ति का विक्रय अनुबंध मनोहरलाल चौधरी पिता श्री रामचंद्र कलार एवं अरविन्द पिता रामचंद्र जी परमार उम्र 40 वर्ष निवासी लदूना, तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर के मध्य दिनांक 07.10.2024 को निष्पादित किया गया है तथा अब उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति का विक्रय अनुबंध दर अनुबंध अरविन्द पिता रामचंद्रजी परमार व मेरे पक्षकारगण दिलीप मेरावत पिता रमेशचंद्र जी मेरावत निवासी मेघनगर पंचकुई जिला झाबुआ व चंद्रशेखर कटारा पिता मोहनलाल कटारा निवासी जूनी रम्भापुर जिला झाबुआ के मध्य दिनांक 07.10.2024 को निष्पादित किया जा चुका है। जिसकी कुल प्रतिफल राशि का आंशिक भुगतान मेरे पक्षकारगण द्वारा अरविन्द पिता रामचंद्रजी को नगद एवं चेक के माध्यम से किया जा चुका है तथा बकाया राशि का भुगतान कर जल्द ही विक्रय पत्र का पंजीयन विक्रेता द्वारा मेरे पक्षकारगण के हक में निष्पादित कर दिया जावेगा।

अतः इस उल्लेखित संपत्ति संबंध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था इत्यादि को आपत्ति हो तो आवश्यक दस्तावेज सहित मेरे कार्यालय पर सात दिन में सम्पर्क करें अन्यथा नियत अवधि समाप्त होने के पश्चात विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे पक्षकार द्वारा अपने हक में करवा लिया जावेगा। उसके पश्चात कोई आपत्ति मान्य व स्वीकार नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय

प्रतीक मारु (अभिभाषक)

विचार-मंथन

विश्वास बहाली की जिम्मेदारी अब पेइचिंग पर

प्रधानमंत्री मोदी के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए रवाना होने से एक दिन पहले, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने उल्लेख किया कि ''वास्तविक नियंत्रण रेखा (एल.ए.सी.) पर गश्त व्यवस्था पर एक समझौता हुआ है।'' उन्होंने बाद में कहा, ''इसका मतलब यह होगा कि चर्चा के तहत लंबित क्षेत्रों में गश्त और वास्तव में चराई गतिविधियां, जहां भी लागू होंगी, 2020 की स्थिति में वापस आ जाएंगी।'' विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने एक अलग मंच पर इसे दोहराया। चीन ने भी भारतीय घोषणा की पुष्टि की, हालांकि एक दिन बाद। किसी भी पक्ष ने आगे कोई विवरण नहीं दिया। समझौते के पीछे का समय कजान में मोदी-शी शिखर सम्मेलन को सुविधाजनक बनाने के लिए था। पिछला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत-चीन तनाव से प्रभावित था। भारतीय सैनिक अब देपसांग और डेमचोक दोनों में अपने दावे की रेखाओं तक पहुंच सकेंगे। हालांकि, अन्य क्षेत्र, जहां बफर जोन बनाए गए थे, इस समझौते का हिस्सा नहीं हैं। इन्हें बाद में संभाला जाएगा। भारत अपनी सभी दावा रेखाओं पर गश्त करने का अधिकार चाहता है। भविष्य में गश्ती दलों के बीच टकराव को रोकने के लिए दोनों पक्ष पहले से गश्त का विवरण साझा करेंगे। यह समझौता किसी भी तरह से दोनों देशों के मौजूदा दावों को प्रभावित नहीं करता। शी और मोदी ने अपनी टिप्पणियों में फिर से जुड़ने और संबंधों के पुनर्निर्माण की बात की, हालांकि दोनों देशों के अंतिम बयानों में मामूली अंतर थे। शी ने कहा, ''यह दोनों देशों के मौलिक हितों में है कि वे इतिहास की प्रवृत्ति और अपने संबंधों के विकास की दिशा को सही ढंग से समझें।'' मोदी ने जवाब दिया, ''सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना प्राथमिकता होनी चाहिए'' और ''पारस्परिक विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता संबंधों का आधार होना चाहिए।'' रूस ने निश्चित रूप से दोनों देशों को एक समझौते पर पहुंचने के लिए प्रेरित किया होगा। रूस का इरादा यह होगा कि यदि भारत और चीन सामान्य स्थिति स्थापित करते हैं और साथ ही विश्वास बहाल होता है, तो यह आर.आई.सी. (रूस, भारत, चीन) समूह को फिर से मजबूत करने के लिए दरवाजे खोल सकता है। एक साथ काम करने वाले तीन देश पश्चिम के लिए एक कठिन आर्थिक और कूटनीतिक चुनौती पेश कर सकते हैं। चीन अब ताइवान पर ध्यान केंद्रित कर सकता है और दक्षिण और पूर्वी चीन सागर में विवादित तटों पर अपने दावों को आगे बढ़ा सकता है।ये वे क्षेत्र हैं, जहां चीन हाल के दिनों में सबसे अधिक आक्रामक रहा है। अब तक चीन को इस बात की चिंता थी कि भारत ताइवान संघर्ष का फायदा उठा सकता है, अगर उसके अभियान ठप्प हो जाते हैं और मलक्का जलडमरूमध्य में भारतीय नौसेना की मजबूत उपस्थिति भी। एल.ए.सी. पर भारत की बढ़ती तैनाती ने पेइचिंग को सतर्क कर दिया था। चीन को पता है कि वह भारत के खिलाफ 'ग्रे जोन' युद्ध सफलतापूर्वक शुरू कर सकता है, लेकिन जमीनी अभियानों में जीत की संभावना नहीं है, क्योंकि भारतीय सशस्त्र बल अभी भी दुर्जेय हैं। विलमिंगटन में हाल ही में संपन्न क्वाड शिखर सम्मेलन में, अमरीका ने स्वीकार किया कि यह भारत ही होगा जो हिंद महासागर में अग्रणी होगा। यह नई दिल्ली ही थी, जो चीन के प्रति सम्मान में क्वाड के सभी स्तरों को नेताओं के स्तर पर ले गई। लद्दाख में अतिक्रमण के कारण ही भारत ने अपना रुख बदला। भारत के लिए, पश्चिम से एफ.डी.आई. में कमी के साथ, चीन से आने वाले लोगों का स्वागत किया जाएगा। अंततः दोनों को लाभ होगा- भारत को निवेश और प्रौद्योगिकी के साथ जबकि चीन को बाजार के साथ। उत्तर में तनाव में कमी, जिसमें अतिरिक्त सैनिकों की वापसी भी शामिल है, भारत के रक्षा राजस्व व्यय को कम करेगी। हालांकि, शांति सुनिश्चित करने के लिए भारत को हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहने की आवश्यकता होगी, इसलिए क्षमता और बुनियादी ढांचे का विकास भी उसी गति से जारी रहेगा। भविष्य में क्या संकेत हो सकते हैं? अभी यह कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन चीन का पीछे हटना इस बात की पुष्टि करता है कि उसका मुख्य उद्देश्य भारत नहीं, बल्कि ताइवान और दक्षिण तथा पूर्वी चीन सागर के तटीय क्षेत्र हैं। यह समझौता एल.ए.सी. पर सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में पहला कदम हो सकता है।

ट्रम्प की टैरिफ नीतियों से निपटना होगी बड़ी चुनौती

हर्ष रंजन

अमरीका के राष्ट्रपति-निर्वाचित डोनाल्ड ट्रम्प का कहना है कि ''मेरे लिए शब्दकोश में सबसे सुंदर शब्द 'टैरिफ' है। यह मेरा पसंदीदा शब्द है। इसके लिए एक जनसंपर्क फर्म की जरूरत है।'' तो ट्रम्प के इस पसंदीदा शब्द टैरिफ से दुनिया के देश आर्थिक रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकते। चीन तो निशाने पर है ही, सवाल यह है कि क्या भारत इससे अछूता रह पाएगा? क्या ट्रम्प मोदी की दोस्ती का लिहाज करेंगे?

ट्रम्प की जीत और भारत : व्यापार नीतियों पर अपने सख्त रुख के लिए जाने जाने वाले ट्रम्प ने पहले भी भारत को 'टैरिफ का दुरुपयोग करने वाला' करार दिया था। ट्रम्प ने भारत पर आरोप लगाया था कि वह अमरीकी वस्तुओं पर अनुचित रूप से उच्च आयात शुल्क वसूलता है। उनके पिछले कार्यकाल में दोनों पक्षों की ओर से टैरिफ में बढ़ोतरी देखी गई। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति निर्वाचित होने के साथ ही भारतीय निर्यातक और नीति निर्माता संभावित बदलावों के लिए अंदर ही अंदर व्यथित भी हैं और इससे निपटने की तैयारी भी कर रहे हैं।

भारत-अमरीका व्यापार पर एक नजर : अमरीका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक सांझेदारों में से एक है। दोनों देश एक-दूसरे के साथ सामानों और सेवाओं का आयात-निर्यात करते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि भारत अमरीका को निर्यात ज्यादा करता है और वहां से आयात कम करता है। बिजनैस और फाइनांस की भाषा में इसे भारत के लिए 'ट्रेड सरप्लस' कहते हैं। भारत और अमरीका के बीच वर्तमान व्यापार लगभग 150 बिलियन डॉलर है। भारत अमरीका को कई तरह के उत्पाद निर्यात करता है जिनमें कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स, मशीनरी और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं शामिल हैं। इनकी कीमत सालाना लगभग 85 बिलियन डॉलर है। दूसरी ओर, भारत अमरीका से लगभग 65 बिलियन डॉलर मूल्य के सामान आयात करता है, जिनमें तेल, विमान, मशीनरी और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। दोनों देशों को इस आयात-निर्यात से लाभ होता है।

टैरिफ को समझिए : सीधे शब्दों में कहें तो टैरिफ आयातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला कर है। सरकारें आयातित वस्तुओं को अधिक महंगा बनाने के लिए टैरिफ का उपयोग करती हैं। ऐसा करने के पीछे मकसद यह होता है कि उपभोक्ता अपने देश में बने सामानों को ही खरीदें, जिससे घरेलू बाजार को तेजी मिले। हालांकि यह टैरिफ कभी-कभी व्यापारिक भागीदारों के साथ तनाव का कारण बनता है, जैसा कि ट्रम्प के पिछले राष्ट्रपति पद के दौरान अमरीका के साथ हुआ था।

हार्ले-डेविडसन प्रकरण : 2018 में ट्रम्प ने अमरीकी मोटरसाइकिलों पर भारत के आयात शुल्क, विशेष रूप से हार्ले-डेविडसन बाइक पर लगाए गए 100 प्रतिशत टैरिफ को बड़ा मुद्दा बना दिया था। उन्होंने तर्क दिया था कि बजाज और रॉयल एनफील्ड जैसे भारतीय मोटरसाइकिल ब्रांड बेहद कम टैरिफ के साथ अमरीकी बाजार में हैं, जबकि हार्ले-डेविडसन को भारत में भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, जो अनुचित है। अमरीकी दबाव में भारत ने अंततः हार्ले-डेविडसन मोटरसाइकिलों पर आयात शुल्क को घटाकर 50 प्रतिशत कर दिया था।

भारत के लिए संभावित चुनौतियां : ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में अमरीकी उद्योगों की रक्षा के व्यापक कदम के तहत भारतीय वस्तुओं, विशेष रूप से स्टील और एल्यूमिनियम पर अतिरिक्त शुल्क लगाए गए थे। संभावना है कि वह इसी तरह के शुल्क फिर से लागू कर देंगे, जिससे वे भारतीय निर्यातक प्रभावित होंगे, जो अमरीकी बाजार पर निर्भर हैं। भारतीय उत्पादों पर उच्च शुल्क लगाने से वे अमरीका में अधिक महंगे हो जाएंगे, जिससे उनके सामानों की मांग कम हो जाएगी। भारत में छोटे और मध्यम उद्यम (एम.एस.एम.ई.), जो निर्यात में बड़े हिस्से का योगदान करते हैं, विशेष रूप से तनाव में हैं। ऐसा इसलिए कि वे अक्सर कम मार्जिन पर काम करते हैं। वहीं, भारत भी जवाबी कार्रवाई के तौर पर अमरीकी आयातों पर टैरिफ बढ़ाने का विकल्प चुन सकता है। हालांकि, इस रणनीति की अपनी सीमाएं हैं, क्योंकि यह एक पूर्ण 'व्यापार-युद्ध' में बदल सकता है, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके अलावा, अमरीकी वस्तुओं पर उच्च टैरिफ से भारतीय उपभोक्ताओं और अमरीकी आयात पर निर्भर व्यवसायों के लिए कीमतों में वृद्धि होगी। चुनौती इन उपायों को घरेलू अर्थव्यवस्था और अमरीका के साथ व्यापक व्यापारिक संबंधों की रक्षा करने की आवश्यकता के साथ संतुलित करने में है। हाल के वर्षों में भारत के रणनीतिक हित अपने व्यापार पोर्टफोलियो में विविधता लाने, अन्य देशों के साथ मजबूत संबंध बनाने और 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों के तहत घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने पर रहे हैं। हालांकि, अमरीका एक अपूरणीय व्यापारिक सांझेदार बना हुआ है और कोई भी व्यापार बाधा उन क्षेत्रों को प्रभावित कर सकती है, जिनका अमरीकी बाजारों के साथ लंबे समय से संबंध है, जैसे कि आई.टी. सेवाएं, फार्मास्यूटिकल्स और टैक्सटाइल। इसके अतिरिक्त कई भारतीय कंपनियों ने अमरीका में महत्वपूर्ण निवेश कर रखा है। अमरीका के साथ किसी भी तरह की व्यापार बाधा आगे के निवेश और सांझेदारी के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती है। भारत इन संभावित प्रभावों को कम करने के लिए यूरोपीय संघ, पूर्वी एशिया और अफ्रीका जैसे अन्य क्षेत्रों के साथ व्यापार संबंधों को और फैलाने और मजबूत करने पर विचार कर सकता है।

क्या व्यापार संबंधी कड़वाहट अपरिहार्य है : अपने 'अमरीका फर्स्ट' बयान के बावजूद, ट्रम्प ने दोनों पक्षों को लाभ पहुंचाने वाले सौदों पर बातचीत करने में भी रुचि दिखाई है। अतीत में, भारत और अमरीका ने व्यापार बाधाओं को कम करने के लिए चर्चा की है और यह संभव है कि वे दोनों देशों के हितों को संतुलित करते हुए एक मध्यम मार्ग पर पहुंच सकें। भारत के लिए कूटनीतिक पहुंच महत्वपूर्ण होगी। अमरीकी व्यवसायों, सांसदों और उद्योग जगत के प्रमुख लोगों के साथ संबंधों को मजबूत करने से सद्भावना को बढ़ावा मिल सकता है।

निष्कर्ष : दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों का इतिहास बताता है कि बातचीत और कूटनीति कभी-कभी सबसे कठोर रुख को भी नरम कर सकती है। भारत की प्रतिक्रिया रणनीतिक होनी चाहिए, जिसमें अपने आर्थिक हितों की रक्षा और एक प्रमुख वैश्विक भागीदार के साथ सकारात्मक संबंध बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

संयुक्त परिवार में ही चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास की नींव पड़ती है

आचार्य राघवेन्द्र प्र. तिवारी

भारत में संयुक्त परिवार की एक स्वस्थ परंपरा रही है। हमने परिवार को ऐसी संस्कारशाला माना, जहां संबंधों, संवेदनाओं एवं मानव चेतना का बोध, सामाजिक विषयों के करणीय और अकरणीय कार्य सीखे जाते हैं। जहां व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण हेतु आवश्यक तत्व ज्ञान यथा पारिवारिक सामाजिक-सांस्कृतिक-आर्थिक दायित्वों एवं परम्पराओं सहित उचित अनुचित, धर्म-अधर्म, व्यापक दृष्टिकोण, मनोबल निर्माण एवं राष्ट्रभक्ति आदि का बोध होता है। संयुक्त परिवार में ही चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास की नींव पड़ती है। अधिकारों के स्थान पर कर्त्तव्य भावना, सहयोग, सहकारिता एवं निःस्वार्थ प्रवृत्ति का विकास होता है। विविध संयम आचरणों यथा वाणी संयम, स्वाद संयम, आहार संयम, व्यवहार संयम, विकार संयम, उपभोग संयम आदि का निर्माण होता है। प्रेम, ममता, अपनापन एवं बड़ों के लिए आदर भाव, बड़ों का अनुसरण करना एवं छोटों के लिए अनुकरणीय बनने की प्रवृत्ति विकसित होती है। कुटुंब के सभी सदस्यों के लिए अपनेपन की भावना रखना, अच्छा या बुरा जैसा भी है अपना है, अच्छा है तो उसे और अच्छा बनाने या बुरा है तो उसे सुधारने की सामूहिक जिम्मेदारी है, ऐसी भावना को प्रोत्साहन मिलता है। ज्ञातव्य है कि विदेशी आक्रमणों एवं लंबी दासता के तदोपरांत पाश्चात्य जीवन शैली अंगीकार करने से भारतीय समाज में संयुक्त परिवार की जगह एकल परिवार ले रहे हैं। 'हम' की जगह 'मैं' प्रबल हो रहा है। अब तो 'लिव इन रिलेशनशिप' हमारे सामाजिक ताने-बाने को सुरसा की तरह निगलने हेतु मुंह बाए खड़ी है। संयुक्त परिवार के समस्त हितकारी पक्षों से हमारा समाज वंचित हो रहा है। टैलीविजन, मोबाइल, व्हाट्सएप, फेसबुक, इन्स्टाग्राम आदि रही-सही कसर को भी समाप्त कर हमें व्यक्तिवादी, भौतिकवादी एवं स्वार्थी बना रहे हैं, जिससे हम अपनों के साथ ही प्रकृति से भी दूर होते जा रहे हैं। हमारा जीवन तनावग्रस्त होता जा रहा है। हम व्यसनों एवं नशीले पदार्थों के कुप्रभाव से ग्रसित हो रहे हैं। फलतः हमारी सामाजिक, आर्थिक एवं बौद्धिक क्षमता बुरी तरह प्रभावित एवं राष्ट्र के पुनरुत्थान में हमारी सार्थकता कम हो रही है। पारिवारिक मूल्यों में कमी आने की वजह से अनेक तरह की सामाजिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। तलाक के मामले बढ़ रहे हैं, परिवार में ही असहिष्णुता बढ़ रही है। लोग परस्पर मुकदमे लड़ रहे हैं। निर्विवाद है कि समाज निर्माण परिवार नाम की इकाई से ही होता है। अतः भारतीय संस्कृति का क्षरण रोकने हेतु परिवार भाव विकसित करना आवश्यक है। परिवारों की एकता और राष्ट्रीयता की भावना जागृत होने पर ही समाज एवं राष्ट्र वैभवशाली बन पाएगा। संयुक्त परिवार में रहने से सदस्यों के जीवन में नया दृष्टिकोण आता है एवं सोच व्यापक होती है, जिससे आपसी सौहार्द और भाईचारे का माहौल बनता है। वर्तमान सन्दर्भ में कुटुंब प्रबोधन महत्वपूर्ण विषय है, जो पारिवारिक समस्याओं को समझने, उनका समाधान ढूंढने एवं समृद्ध और समरस परिवार बनाने में सहायक है। इससे परिवार में बेहतर तालमेल, सूझबूझ, परस्पर सहयोग और सौहार्द स्थापित हो सकता है। परिवार में प्रायः मतभेद, मनभेद, विवाद, भेदभाव, तनाव, व्यक्तिगत एवं आर्थिक समस्याएं होती हैं। इन समस्याओं के निदान हेतु कुटुंब प्रबोधन एक सशक्त माध्यम हो सकता है। इस प्रक्रिया में परिवार के सभी सदस्यों को सम्मिलित कर सभी के विचारों एवं समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना जाता है, जिससे सभी का सहयोग सुनिश्चित होता है। सदस्यों को सांझा समाधान अपनाने हेतु प्रेरित किया जाता है एवं सुझावों को अपनाने हेतु उपयुक्त समय दिया जाता है। संयुक्त परिवार को चलाने हेतु यह सुनिश्चित करना आवश्यक होता है कि सभी सदस्यों की प्रगति हेतु समान अवसर उपलब्ध हों, जिससे उनका स्वयं का विकास हो सके एवं उनमें परिवारभाव भी बना रहे। इस प्रकार कुटुंब प्रबोधन हमें भारतीय संस्कृति की जड़ों से जोड़ने में प्रमुख भूमिका निभाता है। आज जब देश आत्मनिर्भर, विकसित और विश्व गुरु बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब भारतीय संस्कृति से पोषित समाज ही उसका आधार बनेगा, जिसके निर्माण की पूर्ति हेतु कुटुंब प्रबोधन सशक्त माध्यम हो सकता है।

जनजाति समाज के लिए चलाई जा रही आर्थिक विकास की योजनाएं

जनजाति समाज के सदस्यों को भारतीय राजनीति की मुख्यधारा में शामिल किए जाने के प्रयास भी किए जाते रहे हैं एवं इस समाज के कई प्रतिभाशाली सदस्य तो कई बार केंद्र सरकार के मंत्री, राज्यपाल एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के पदों तक भी पहुंचे हैं। जनजाति समाज बहुत ही कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए देश में दूर दराज इलाकों के सघन जंगलो के बीच वनों में रहता है। जनजाति समाज के सदस्य बहुत ही कठिन जीवन व्यतीत करते रहे हैं एवं देश के वनों की सुरक्षा में इस समाज का योगदान अतुलनीय रहा है। चूंकि यह समाज भारत के सुदूर इलाकों में रहता है अतः देश के आर्थिक विकास का लाभ इस समाज के सदस्यों को कम ही मिलता रहा है। इसी संदर्भ में केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारों ने विशेष रूप से जनजाति समाज के लिए कई योजनाएं इस उद्देश्य से प्रारम्भ की हैं कि इस समाज के सदस्यों को राष्ट्र विकास की मुख्य धारा में शामिल किया जा सके एवं इस समाज की कठिन जीवनशैली को कुछ हद तक आसान बनाया जा सके। भारत में सम्पन्न हुई वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार अनुसूचित जनजातियों की कुल जनसंख्या 10.43 करोड़ है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत है। जनजाति समाज के सदस्यों को भारतीय राजनीति की मुख्यधारा में शामिल किए जाने के प्रयास भी किए जाते रहे हैं एवं इस समाज के कई प्रतिभाशाली सदस्य तो कई बार केंद्र सरकार के मंत्री, राज्यपाल एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के पदों तक भी पहुंचे हैं। आज भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू भी आदिवासी समाज से ही आती हैं। केंद्र सरकार द्वारा जनजाति समाज को केंद्र में रखकर उनके लाभार्थ चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से एक विशेष पोर्टल का निर्माण किया है। जिसकी लिंक है - भारत सरकार का राष्ट्रीय पोर्टल - इस लिंक को क्लिक करने के बाद 'खोजें' के बॉक्स में जनजाति समाज को दी जाने वाली सुविधाएं टाइप करने से, भारत सरकार द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं की सूची निकल आएगी एवं इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रपत्रों की सूची भी डाउनलोड की जा सकती है। जनजाति समाज के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को दो प्रकार से चलाया जा रहा है। कई योजनाओं का सीधा लाभ जनजाति समाज के सदस्यों को प्रदान किया जाता है। साथ ही, कुछ योजनाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों को विशेष केंद्रीय सहायता एवं अनुदान प्रदान किया जाता है और इन योजनाओं को राज्य सरकारों द्वारा क्रियान्वित किया जाता है। जैसे, जनजातीय उप-योजना के माध्यम से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को जनजातीय विकास हेतु किए गए प्रयासों को पूरा करने के लिए विशेष केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है। इस सहायता का मूल प्रयोजन पारिवारिक आय सृजन की निम्न योजनाओं जैसे कृषि, बागवानी, लघु सिंचाई, मृदा संरक्षण, पशुपालन, वन, शिक्षा, सहकारिता, मत्स्य पालन, गांव, लघु उद्योगों तथा न्यूनतम आवश्यकता संबंधी कार्यक्रमों से है। इसी प्रकार, जनजातीय विकास हेतु परियोजनाओं की लागत को पूरा करने तथा अनुसूचित क्षेत्र के प्रशासन स्तर को राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के बराबर लाने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को भी अनुदान दिया जाता है। जनजातीय समाज के विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए आवासीय विद्यालय स्थापित करने हेतु भी उक्त निधियों के कुछ हिस्से का प्रयोग किया जाता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक-5415

	4	7			3			5
			6	8	7		4	
			2	4		9		7
		6					1	8
				1				
2	7					5		
8		5		6	1			
	9		8	5	2			
1			9			8	5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5414

1	4	7	9	5	3	8	2	6
9	5	3	8	6	2	4	7	1
6	2	8	1	7	4	9	5	3
3	6	9	7	1	8	5	4	2
4	1	2	3	9	5	6	8	7
7	8	5	4	2	6	1	3	9
2	9	1	5	8	7	3	6	4
5	3	6	2	4	1	7	9	8
8	7	4	6	3	9	2	1	5

वर्ग पहेली 5415

संकेत: बाएं से दाएं

1. इस भारतीय भौतिक वैज्ञानिक ने 12 अगस्त को जन्म लिया था (7)
6. दुर्भाग्य, दुर्दशा, संकट (3)
7. एक प्रकार का फल जो भगवान के भोग निमित्त चढ़ाया जाता है, कदली (2)
9. तिब्बत के बौद्धों के धर्माचार्य, घास खाने और जुगाली करने वाला एक जंतु जो ऊंट जैसा होता है (2)
10. मुंशी, लिखने वाला, लेखक (3)
12. एक प्रकार का मंगल वाद्य, नफीरी (4)
13. एक सर्वनाम जिसका प्रयोग वक्ता और श्रोता के अतिरिक्त निकटवर्ती सभी संज्ञाओं या बातों के लिए होता है (2)
14. इस देश को म्यांमार कहा जाता है (2)
15. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
19. यह एक विख्यात पूर्व में दस्यु रह चुकी थी (5)
21. उथल-पुथल, भागदौड़, संचलन (4)
22. विविध, एक दिशा, मातामह (2)

ऊपर से नीचे

1. महाकाय, भीम, गजकाय (5)
2. तारतम्य, रूटीन, विन्यास, करीना (2)
3. स्वार्थ, खुदगर्जी, प्रयोजन (4)
4. भारत का प्रथम अंतरिक्ष यात्री (5)
5. बरछा, बल्लम, नेजा, पाखरी (2)
8. श्रमादि करके कमाया हुआ धन (3)
9. उपस्थित करना, ले आना, लिवाना (2)
11. तिगुना, तीन बार उतना ही (3)
14. जंगली मेवा (4)
16. निर्मित होना, निर्माण होना, पनपना (3)
17. यह उत्तर भारत में बहने वाली महत्वपूर्ण नदी है इसका पौराणिक नाम पयस्विनी है (2)
18. एक प्रशंसासूचक शब्द (2)
20. प्रदत्त करना, प्रदान करना (2)

वर्ग पहेली 5414 का हल

आज का राशिफल

मेष ... सुखांक-3-6-8

वृषभ ... सुखांक-4-6-8

मिथुन ... सुखांक-2-4-6

सिंह ... सुखांक-2-4-6

कन्या ... सुखांक-3-5-7

तुला ...

धनु ... सुखांक-2-4-6

मकर ... सुखांक-1-3-5

कुंभ ... सुखांक-2-6-9

कर्क ...

वृश्चिक ...

मीन ...

भगवान श्री पशुपतिनाथ के 62वे मेले का शुभारंभ

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव के 62वें भव्य मेला का कल नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा भव्य शुभारंभ किया गया। मेला शुभारंभ अवसर पर भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर का पाटोत्सव कार्यक्रम भी श्री पशुपतिनाथ प्रबंध समिति के द्वारा आयोजित हुआ। मेला शुभारंभ व पाटोत्सव कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल हुय मेनपुरिया आश्रम के महंत श्री मणि महेश चेतन्यजी महाराज, तीन छत्री बालाजी के महंत श्री रामकिशोरदासजी महाराज, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया, पूर्व मंत्री श्री कैलाश चावला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री डॉ. मनुप्रिया विनीत यादव, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मदनलाल राठौर, जिला पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनन्द, भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री श्री धीरज पाटीदार, भाजपा मण्डल अध्यक्षगण श्री अरविन्द सारस्वत, श्री अजय आसेरी, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, नपा उपाध्यक्ष श्रीमी नम्रता प्रीतेश चावला, मेला सभापति श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी ने सर्वप्रथम भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर परिसर में स्थापित स्वामी श्री प्रत्यक्षानंदजी महाराज व श्री मस्तरामजी महाराज की प्रतीमा का विधिवत पूजन अर्चन किया और आरती की। इसके बाद इलेक्ट्रीक स्वीच दबाकर पशुपतिनाथ महादेव के 62वें मेला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मेला समिति सदस्यगण रेखा राजेश सोनी ऐरावाला, ईश्वरसिंह चौहान एड., दीपक गाजवा, श्रीमती माया भावसार, श्रीमती दिव्या अनूप माहेश्वरी, श्रीमती संगीता शेलेन्द्र गोस्वामी, नपा सभापतिगण निलेश जैन, श्रीमती शांतिदेवी फरक्या, श्रीमती कौशल्या बंधवार, रमेश ग्वाला, श्रीमती दीपमाला रामेश्वर मकवाना, सीएमओ श्री सुधीर कुमार सिंह, मेला अधिकारी श्री पी.एस. धारवे भी मंचासीन थे।

मेलाी शुभारंभ व पाटोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महंत श्री मणि महेश चैतन्य जी महाराज ने कहा कि भगवान श्री पशुपतिनाथ का आज 64 वां पाटोत्सव व नगरपालिका के द्वारा 62वां मेला का शुभारंभ हो रहा है। नगरपालिका के द्वारा मेला की जो व्यवस्थाएं है वह सराहनीय है। मेला के आयोजन से नगर का नाम पूरे देश प्रदेश में गौरवान्वित हो रहा है। आपने इस मौके पर पशुपतिनाथ पुजारी परिवार के द्वारा 20 नवम्बर को होने जा रहे मंदिर स्थापना कार्यक्रम की भी जानकारी दी ओर सभी से इसमें शामिल होने का आव्हान किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया ने कहा कि नगरपालिका ने व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए जो व्यवस्थाएं की है वह सराहनीय है। इस वर्ष मेले के आयोजन के लिये नपा ने जो समय पूर्व तैयारियां की है उससे निश्चित रूप से इस वर्ष मेला की भव्यता बडेगी और मेला अपने गौरव को प्राप्त करेगा। विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि मेला सनातन धर्म व संस्कृति का प्रतीक है। मेला से धर्म संस्कृति सुदृढ होती है। मेला अपने पूरे मालवांचल में विशिष्टपहचान अर्जित करे ऐसी मैं कामना करता हूँ। पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया ने कहा कि आज के 62 वर्ष पूर्व श्री खाबियाजी व पं. मदनजी चौबे ने पशुपतिनाथ महादेव मेला की शुरूआत की थी। पूर्व में पांच दिवसीय फिर 10 दिवसीय और अब यह मेला 20 दिवसीय आयोजित हो रहा है। पूर्व के नपा के जितने भी जनप्रतिनिधि रहे है उन्होंने उसको भव्यता के लिये काम किया है। वर्तमान नपा परिषद भी पशुपतिनाथ मेला की भव्यता के लिये जो काम कर रही है वह सरानीय है। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने कहा कि मेला के आयोजन में जिला प्रशासन, नपा के साथ पूरा पूरा सहयोग कर रहा है। जहां भी नपा के आवश्यकता हो अवगत कराये। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने स्वागत उद्बोधन देते हुए नपा के द्वारा मेला आयोजन के लिये किये गये प्रयासों से अवगत कराया और पूरे मंदसौर जिलेवासियों से आव्हान किया कि वे मेला देखने पधारे। क्रार्यक्रम कासंचालन चन्द्रशेखर नागदा ने किया व आभार मेला सभापति भावना पमनानी ने माना।

सीए अपनी ज्ञान की रोशनी से भारत को नये शिखर पर पहुंचाएं-श्रीवास्तव

मंदसौर सीए ब्रांच का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दीपावली दीपों का त्यौहार है और आर्थिक जगत को रोशन करने वाले इन जगमगाते दीपों (चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट्स) को परिवार के साथ यहाँ देखना एक सुखद अनुभूति है। जिस प्रकार दीपक अपनी रोशनी से पूरे ब्रह्मांड में अंधकार का नाश करके नयी उर्ज्रा का संचार करते हैं उसी प्रकार चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट भी अपने ज्ञान रूपी रोशनी से भारत को नये शिखर तक पहुँचाने में कामयाब होंगे, ऐसा मेरा विश्वास है।

उक्त विचार एडिशनल कमिश्नर आयकर श्री सागर श्रीवास्तव ने दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद ने सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि मन्दसौर जिले के समस्त सीए सदस्यों को परिवार सहित एक साथ देख पाना यह दर्शाता है कि मन्दसौर के निवासी त्योहारों को पूर्ण सद्भावना के साथ मनाना चाहते हैं और चार्टर्ड अकाउंटेंट एसोसिएशन भी अपने साथियों के साथ इस संदेश को पूरे जिले में प्रसारित कर रही है। मन्दसौर जिला आयकर अधिकारी श्री संजीव मलिक ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा समय समय पर आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों की प्रशंसा की। साथ ही यह भी आव्हान किया कि इस दीपावली पर सभी चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट अपने क्लाइंट अधिक से अधिक अग्रिम कर जमा करवाने का प्रयास करें। कार्यक्रम को नीमच जिला आयकर अधिकारी श्री अशोक कुमार ने भी संबोधित किया।

मन्दसौर ब्रांच के अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। सचिव सीए विकास भंडारी ने सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। स्वागत गीत श्रीमती सुरभि भंडारी ने प्रस्तुत किया। आईसीएआई मोटो सांग सीए अर्पित नागर ने प्रस्तुत किया। भाग्यशाली विजेता सीए चेतन गुप्ता, सीए अर्पित मेहता, सीए नयन जैन, सीए सौरभ भंडारी, सीए अंकित श्रीमाल रहे। सभी सदस्यों के लिये श्रीमती प्रीति जैन, श्रीमती सिम्मी पारिख व सीए प्राज्वी जैन ने रोचक गेम्स का आयोजन किया। मन्दसौर ब्रांच के अक्टोबर माह के न्यूज लैटर का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत सीए राजेश मण्डवारिया, सीए नयन जैन, सीए अर्पित नागदा, सीए विनय अग्रवाल, सीए योगेन्द्र जैन, सीए अभिषेक अग्रवाल, सीए आलोक जैन आदि ने किया। इस अवसर पर सीए वीरेन्द्र जैन, सीए अंकुश जैन, सीए कुलदीप पाटीदार, सीए नितेश भदादा, सीए अंकित नागर, सीए रचित जैन, सीए सुशील जैसवानी, सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, सीए सिद्धर्थ विजयवर्गीय, सीए आयुषी गर्ग, सीए आशीष जैन (टीजेड), सीए राजेश जैन, सीए आशीष जैन, सीए यश जैन, सीए श्रुति, सीए पीयुष पाटनी, सीए श्रेणित धाकड, सीए विशाल मोगरा, सीए अमन नाहर, सीए शुभम गुप्ता, सीए गौरव गुप्ता, सीए सिद्धार्थ मेहता, सीए सौरभ भण्डारी, सीए आश्रय जैन, सीए विश्वास श्रीमाल, सीए महेश खत्री, सीए हितेश नाहर, सीए यश जैन, सीए राहुल सोमानी, सीए प्रज्वी नाहटा, सीए नितिन देवनानी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सीए आयुष जैन ने किया। आभार प्रदर्शन सीए रितेश पारिख ने किया।

सांस अभियान का हुआ शुभारंभ

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सांस अभियान का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जी एस चौहान द्वारा किया गया। अभियान 28 फरवरी 2025 तक जिले में चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ चौहान ने बताया कि 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की निमोनिया से होने वाली शिशु मृत्यु दर में कमी लाना है। अभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, श्रम विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग का सहयोग लिया जाएगा।

डॉ. सुरेश सौलंकी, जिला टीकाकरण अधिकारी ने बताया की अभियान के दौरान समुदाय आधारित गतिविधिया एवं गृह भेट के माध्यम से निमोनिया की पहचान एएनएम एवं आशा कार्यकर्ता द्वारा की जाकर उपचार तथा परामर्श दिया जावेगा, गंभीर निमोनिया होने पर संस्था आधारित सेवाओं के लिए रैफर किया जावेगा। संस्थाओ पर निमोनिया का उपयुक्त उपचार उपलब्ध करवाया जावेगा। डॉ. अरविन्द वर्मा शिशु रोग विशेशज्ञ ने बताया की शिशु स्तनपान करने में असमर्थ है, झटके आ रहे है, तेज सांस , गंभीर रूप से पसली का धसना, सुस्त या बेहोश हेतु तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य संस्था पर चिकित्सक के माध्यम से निमोनिया का शीघ्र उपचार लिया जावे ताकि निमोनिया से बचे को बचाया जा सके।

श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण समाज का दीपावली मिलन समारोह जगदीश विलास परिसर में हर्षोल्लास के साथ सानंद संपन्न हुआ। इसकेपूर्व भगवान जगदीश की महा आरती की गई समाज के दीपावली मिलन समारोह में समाज जनों को संबोधित करते हुए पंचायत अध्यक्ष श्री मोहनलाल शर्मा ने कहा कि श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण समाज में रचनात्मक वातावरण निर्मित कर समाज हित में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। आपने न्यास और पंचायत के समन्वित प्रयासों से जगदीश विलास के विकास और विस्तार की भी भावना व्यक्त की। इस अवसर पर न्यास अध्यक्ष पं. कुबेरकांत त्रिपाठी, सचिव पं. गोपाल भट्ट समाज के कोषाध्यक्ष जगदीश शर्मा, तथा समाज के वरिष्ठजन डॉ. देवेंद्र पुराणिक पूर्व अध्यक्ष नंद किशोर शर्मा रूपनारायण जोशी, डॉ दिनेश तिवारी, कृष्णचंद्र शर्मा, पं.रमेश चंद्र

शर्मा अनिल द्विवेदी, पं.देवेश्वर जोशी, कैलाश जोशी, राजेंद्र प्रसाद व्यास, राजेंद्र चाष्ट, भेरूलाल शर्मा, मोहनलाल जोशी महेश शर्मा सत्यनारायण पंचारिया, पं.पुरुषोत्तम जोशी, विनोद चौबे , नरेंद्र शर्मा, सत्यनारायण पंचारिया आदि ने भी शुभकामनाएं व्यक्त की।

नव जागृति मंच का हुआ गठन-

श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण समाज के दीपावली मिलन समारोह में समाज के वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन में युवा वर्ग द्वारा नव जागृति मंच का गठन किया गया और संकल्प लिया कि समाज हित में किए जा रहे सभी कार्यों में मंच द्वारा पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा और नए रचनात्मक आयोजन भी आयोजित किए जाएंगे। नव जागृति मंच में सर्व श्री डॉ. देवेंद्र पुराणिक पं. जगदीश लाड, अनिल द्विवेदी, हेमंत शर्मा, ओम प्रकाश जोशी, सुनील पंचारिया, ब्रजेश जोशी, प्रद्युमन शर्मा, सुनिल पुरोहित, नवीन जोशी, महेश शर्मा पप्पू, अजय तिवारी, राजेश तिवारी, राहुल त्रिपाठी, पं. गोपाल पंचारिया, पं.मुकेश उपाध्याय, भगवतीप्रसाद शर्मा, राजेश व्यास, राजेंद्र चाष्ट, नवनीत शर्मा, नरेंद्र जोशी, आदित्य डोरिया, राजेंद्र शर्मा, आलोक शर्मा, अनिल पुरोहित, ओमप्रकाश शर्मा, गोविंद जोशी, कपिल शर्मा, अजय कुमार पाण्डेय, नीरज जोशी, हेमंत तिवारी, प्रशांत जोशी, प्रतीक तिवारी, आदि सम्मिलित किए गए।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र टकरावद में एनक्यूएएस और कायाकल्प टीम ने किया निरीक्षण

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय गुणवत्ता एशोरेंस मानक (नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैण्डर्ड) स्वास्थ्य संस्थाओं मे दी जाने वाली सेवाओं के मापदंड का प्रमाण-पत्र है, जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से दिया जाता है. इसका मकसद, अच्छे प्रदर्शन करने वाली सुविधाओं को मान्यता देना और सार्वजनिक अस्पतालों की विश्वसनीयता बढाना है.

इसी उद्देश्य से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टकरावद में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक द्वारा निरीक्षण किया गया जिसमे असेसर श्रीमती निरुपमा झा द्वारा सभी मानकों पर बिंदुवार निरीक्षण किया गया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर नवाचार और मैनेजमेंट को लेकर डॉक्टर आसिफ खान और टीम को सराहा गया सभी डिपार्टमेंट प्रभारी से बिंदुवार प्रश्न कर सभी मानकों को परखा गया। साथ ही सोमवार को कायाकल्प अभियान की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया जिसमे एसेसर श्रीमती ऋतु आर्य द्वारा बायो मेडिकल और स्वच्छता के मापदंड पर जांच की गई। इस अवसर पर निरीक्षण

संचालन सेक्टर सुपरवाइजर सुरेंद्र जी पाटीदार द्वारा किया गया डिपार्टमेंट इंचार्ज राम धनगर, फार्मासिस्ट, लेब प्रभारी कुलदीप सिंह, सीमा पवार गायत्री प्रजापत ,दुर्गा धनगर, स्टाफ नर्स ,संगीता बामनिया ने अपने प्रभार के डिपार्टमेंट को प्रजेंट किया जाहिद खान डाटा एंट्री ऑपरेटर द्वारा पीपीटी प्रजिटेशन किया गया। निरीक्षण के मानकों को पूर्ण करने में सेक्टर महिला सुपरवाइजर पुष्पा पवार ,कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिस दिल कुश सालवी, भवानी शंकर, पंकज महर्षि, समर्थ डांगी साधना मालवीय और फील्ड एएनएम मंजुला चौहान, रेखा सोनी, सुनीता सराह, निर्मला व्यास गायत्री चौहान, संतोष प्रजापत टेली मेडिसिन इंचार्ज अनिता मीणा फील्ड आशा सुपरवाइजर निर्मला चौहान ,रसीदा गोड, संगीता चौहान ने सहयोग किया साफ सफाई के कार्य में संपूर्ण भूमिका कैलाश हंस ,दिनेश कंडारा, चेतन हंस, हीना हंस ने निभाई उपरोक्त जानकारी राम धनगर फार्मासिस्ट द्वारा प्रेषित की गई।

मंदसौर ने जीती क्रिकेट प्रतियोगिता

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। संभाग स्तरीय शालेय बालक अंडर 17 वर्ष क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर में हुआ। जिसमें उज्जैन संभाग के सभी जिलों ने हिस्सा लिया था।

मंदसौर टीम का पहला मैच उज्जैन जिले टीम से हुआ जिसमें उज्जैन टीम को 9 विकेट से हराया और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल मैच रतलाम जिला टीम से हुआ जिसमें रतलाम टीम को 40 रन से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच नीमच जिला टीम ओर मंदसौर जिला टीम के बीच खेला गया। जिसमें मंदसौर ने एक तरफा 10 विकेट से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता पर अपना कब्जा किया। मंदसौर टीम की तरफ से कप्तान अबुजर कुरैशी, मोहम्मद सईद, गर्व सिसोदिया, सक्षम कुशवाह, वैदिक जोशी, वेदान्त व्यास, सुनील पमनानी, रिदम नाहटा, हितेश आडवाणी, धैर्य चंदवानी, आयुष परमार, ऋषिराज, कृष्णपाल आदि खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा वह जीत में महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम के साथ जनरल मैनेजर अर्जुन परिहार सी. एम राइस स्कूल मल्हारगढ, टीम के कोच नवीन खोखर खेल शिक्षक दशपुर विद्यालय मंदसौर, मैनेजर नीतेश वर्मा शासकीय बा. उ. मा. विद्यालय बूढा रहे।

बच्चों को निमोनिया से बचाने के लिये सांस अभियान प्रारंभ

नीमच, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। निमोनिया के प्रारंभिक लक्षणों की समय से पहचान , प्रारंभिक उपचार एव उचित स्वास्थ्य संस्था में रैफर करने संबंधी जनजागरूकता से बच्चों की निमोनिया से होने वाली मृत्यु में कमी लाई जा सकती है। इसी को ध्यान रखते हुए जिले में 12 नवम्बर से 29 फरवरी तक सांस अभियान का आयोजन किया जा रहा हैं। इस अभियान में स्वास्थ्य कार्यकर्ता, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं आशा कार्यकर्ता, निमोनिया की जल्द पहचान करने के लिये विशेष अभियान चलाऐंगे।

यह जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. दिनेश प्रसाद ने बताया, कि सर्दियों में नवजात शिशुओं को निमोनिया होने की अत्याधिक संभावना रहती है। ग्रामीण क्षैत्र में जागरूकता की कमी के कारण समय पर बच्चें स्वास्थ्य संस्थाओ पर नही पहुचं पाते है। ऐसे बच्चें को अस्पताल में जल्दी पहुचाने के लिये चिन्हाकन अभियान चलाया जावेगा। उक्त अभियान का विधिवत शुभारंभ जिला चिकित्सालय के नवजात शिशु गहन चिकित्सा ईकाई एवं किया गया जहाँ पर नवजात शिशुओं एवं धात्री महिलाओं को जिला टीकाकरण अधिकारी डा. बी.एल.सिसोदिया द्वारा कंगारू मदर केयर, स्तनपान, टीकाकरण, व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे विषय पर जानकारी दी। डा.सिसोदिया ने महिलाओं को समझाईश दी, कि बच्चें को छः माह तक सिर्फ स्तनपान ही करवाना है तथा उसके बाद उपरी पूरक पोषण आहार देना है। उपस्थित महिलाओ को डी.पी.एम. एवं डी.सी.एम. ने भी जानकारी प्रदाय की। सांस अभियान में प्रत्येक स्तर पर निमोनिया एवं दस्त रोग से होने वाली मृत्यु को रोकने के लिये किये जाने वाले प्रयासो के सम्बन्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जावेंगे।

नैतिक मूल्यों-संस्कारों से वंचित बाल्यकाल...

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत मे प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को बाल दिवस के विशेष अवसर पर सभी विद्यालयो, सरकारी और सामाजिक संस्थाओं द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। भारतीय समाज में बच्चो के महत्व को समझाने और उनके उत्थान के महत्व को समझाने के लिए यह एक अवसर होता है। यह बच्चो के अधिकारो और कल्याण पर विचार करने और उनके विकास के लिए एक सुरक्षित वातावरण की आवश्यकता पर जोर देने का भी दिन होता है। जिस प्रकार से किसी इमारत की मजबूती उसकी नींव से होती है इसी प्रकार से किसी भी देश की मजबूती उसके चरित्र संपन्न और देशहित का चिंतन करने वाले नागरिको से होती है। और यह संस्कार और शिक्षा बचपन से ही मिलेगी तो निश्चित रूप से यही बच्चे देश की शक्ति बनेंगे। हमारी भारतीय सभ्यता व संस्कृति में हर कदम पर संस्कारो पर बल दिया जाता है विशेषकर बाल संस्कारो पर। यही बाल संस्कार किसी भी मनुष्य को व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाते है। एक संस्कारित बालक देवदूत बनकर परिवार, समाज और देश के लिए वरदान सिद्ध हो सकता है। बच्चे परिवार में, घर मे, समाज मे प्रसन्नता का कारण होने के साथ ही देश का भविष्य भी होते है। भारतीय संस्कृति के प्रत्येक कालखण्ड में बाल प्रतिभाओ का एक व्रहद इतिहास रहा है। बच्चो को किसी भी मजबूत राष्ट्र की नींव की ईट माना जाता है। बच्चे छोटे होते है किंतु देश मे सकारात्मक परिवर्तन करने की क्षमता रखते है। वे आने वाले कल के जिम्मेदार नागरिक है क्योंकि देश का विकास उन्ही के हाथो में है। बाल दिवस उत्सव उन अधिकारो की भी याद दिलाता है जो बच्चो के लिए बनाए गए है। वर्तमान समय मे बच्चे बहुत प्रकार की सामाजिक बुराइयों का शिकार हो रहे है जैसे नशा, योन हिंसा, बालश्रम, शोषण। बच्चे देश की बहुमूल्य संपत्ति होने के साथ ही भविष्य और कल की उम्मीद है इसलिए उन्हे उचित देखरेख, प्यार और संरक्षण मिलना चाहिए। आज हम अपने बच्चो को अच्छी शिक्षा, और उज्जवल कैरियर निर्माण के लिए किसी प्रकार की कमी नही छोडना चाहते है लेकिन इस भागदौड के बीच हम उन्हे नैतिक मूल्यो के संस्कार देने से वंचित हो रहे है। संयुक्त परिवार की कमी यंहा आकर महसूस होती है। घटता संयुक्त परिवार और बढ रहे विज्ञान और तकनीकी सुविधाओ के बीच मानव धर्म के कर्तव्य से हम विमुख हो रहे है। हमे इसके लिए चिंतन करने की आवश्यकता है। नैतिक शिक्षा और संस्कार की नींव परिवार में रखी जाती है। समाज इसे वातावरण प्रदान करता है। जैसी शिक्षा, संस्कार तथा वातावरण बच्चे को मिलेगा वैसा ही उसका आचरण होगा। हमारी शिक्षा प्रणाली ही नही समाज के आसपास का वातावरण भी नकारात्मक प्रव्रती से उठकर प्रेरणादायी होना चाहिए। किताबी ज्ञान प्राप्त करना और अच्छा रोजगार पाना ही हमारे बच्चे का उद्देश्य न बन जाए बल्कि बच्चो को परिवार, समाज व देश के प्रति क्या कर्तव्य है इसका भी अहसास होना चाहिए। देश का नागरिक होने के नाते हमे अपनी जिम्मेदारियो को समझते हुवे देश के भविष्य को उचित दिशा देनी होगी तभी हमारे इस दिन को मनाने की सार्थकता होगी।

गौरव सोनी, मंदसौर

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

झोलाछाप डाक्टर के विरुद्ध जांच कर तत्काल कार्यवाही करें-चंद्रा

फर्जी मृतक नामांतरण निरस्त कर दोषी के विरूद्ध कार्यवाही करें, कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी समस्याएं

नीमच, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। चचोर के झोलाछाप डाक्टर द्वारा उपचार के बाद एवं मरीज को इंफेक्शन हो जाने और स्वास्थ्य और ज्यादा खराब हो जाने पर चिकित्सक के विरूद्ध जांच कर तत्काल कार्यवाही करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए ग्राम सालियाखेडी की ललीता बाई के आवेदन पर मुख्य चिकित्सा व अधिकारी नीमच को दिए। ललीता बाई ने कलेक्टर को आवेदन प्रस्तुत कर ग्राम चचोर के डॉक्टर विश्वजीत द्वारा पुत्र महेश गायरी का उपचार के दौरान इंजेक्शन लगाने के बाद इंफेक्शन हो जाने और तबीयत और अधिक खराब हो जाने की शिकायत पर जांच के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए गए। साथ ही रेडक्रॉस से ललीता बाई को उपचार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। जनसुनवाई में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने 62 आवेदकों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है। जनसुनवाई में माधवगंज मोहल्ला नीमच सिटी अब्दुल रहमान की फर्जी तरीके से मृतक नामांतरण करवाने वाले के विरूद्ध कार्यवाही करने और फर्जी नामांतरण निरस्तत करने संबंधी आवेदन पर तहसीलदार नीमच नगर को तत्काल कार्यवाही कर फर्जी मृतक नामांतरण निरस्त करने के साथ ही दोषी के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए। इंदिरा नगर नीमच निवासी कृष्ण माली द्वारा प्लाट दिलाने के नाम पर कालोनाईजर द्वारा 50 हजार रूपये अमानत राशि लेने के बाद भी प्लाट नहीं देने और धोकाधडी करने पर संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही कर आवेदक कृष्णा माली को अमानत राशि वापस दिलवाने के निर्देश भी कलेक्टर ने तहसीलदार नीमच नगर को दिए है। इसी तरह जनसुनवाई में दलावदा की जशोदा, जीरन के देवीलाल, दारू के रामचंद्र, चीताखेडा की संगीता, भादवामाता की रूकमणीबाई, लुहारिया जाट के मांगीलाल, पालसोडा के शिवनारायण, जावद के बद्रीलाल, पालसोडा के कारूसिह, अम्बालाल, कमलीबाई, मुकेश, परलाई के दशरथ, कांकरिया तलाई के दिनेश, मोरका के दशरथ, नयागांव के हीरानाथ, नीमच के ओमप्रकाश, धामनिया के अशोक, जागोली के हरिराम, खेडा बांगरेड के नाथू, कुचडौद के दुर्गाशंकर, भदाना के चंद्रकला आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर समस्याएं सुनाई।

जनसुनवाई में कलेक्टर को प्राप्त शिकायत पर दवाखाना सील, स्वास्थ्य विभाग ने की कार्रवाई

मनासा, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जनसुनवाई में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा को मंगलवार 12 नवंबर को प्राप्त एक शिकायत पर कार्रवाई करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश प्रसाद के निर्देशानुसार मनासा क्षेत्र के गांव चचौर में एक दवाखाने को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सील कर दिया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ दिनेश प्रसाद ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत पर त्वरित कारवाई करते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम डॉ. बी.एल. भायल, बीएमओ मनासा, बीएमओ डॉ. राजेश मीणा जावद एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा मंगलवार को ग्राम चचोर पहुंचकर एक निजी दवा खाने का निरीक्षण कर जांच करवाई की और अनियमितता पाए जाने पर उक्त दवाखाने को सील कर दिया गया है। यह जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी नीमच डॉ. दिनेश प्रसाद ने दी है।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	99	2100	2700
उडद	134	6000	7200
सोयाबीन	5800	3800	4700
गैहु	2739	2810	3260
चना	110	4800	6700
मसुर	145	5796	6121
धनिया	265	5126	6700
लहसुन	10150	15000	31000
मैथी	770	4901	5981
मुंगफली	2200	3500	5600
अलसी	16740	5601	6121
सरसो	448	5640	5885
तारामीरा	2	5000	5000
इसबगोल	68	10800	12400
प्याज	1666	1100	4210
कलोंजी	15	16000	18781
तुलसी बीज	17	13152	21900
डॉलर	56	9000	10800
तिल्ली	43	10001	12701
जौ	20	2540	2610
मटरसुखी	4	6200	7601
असालीया	71	10101	13300
मूंग	5	5300	6000

डोडाचूरा तस्कर को 10-10 वर्ष सश्रम कारावास व 1-1 लाख रूपये जुर्माने से दण्डित

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विशेष न्या याधीश महोदय, (एन.डी.पी.एस.) मंदसौर द्वारा आरोपी चेतन पिता हरिओम शर्मा, आयु-29 वर्ष एवं पवन पिता राधेश्याशम, उम्र- 38 वर्ष, दोनों निवासीगण- ग्राम महुडिया, थाना बघाना, जिला-नीमच को अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्क9री करने के अपराध में दोषी पाते हुए 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1-1 लाख रूपये जुर्माने से दण्डित किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा घटना के संब?ध में बताया कि थाना नारायणगढ में पदस्थी उपनिरीक्षक बी.एस. बामनिया को दिनांक 27.05.2017 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम महुडिया, थाना-बघाना, जिला नीमच के चेतन शर्मा एवं पवन मालवीय एक सफेद रंग की बोलेरो पिकअप लोडिग वाहन क्रमांक एम.पी. 44 जीए 1141 नीमच तरफ से अवैध डोडाचूरा भरकर झारडा- बूढा के सीधे रास्तेम से ढाबला चौपाटी होते हुए जावरा की ओर जाने वाला है , यदि तत्काल नाकाबंदी की जाए तो उसे मादक पदार्थ सहित पकडा जा सकता है, उक्त मुखबिर सूचना विश्वनसनीय होने से मय फोर्स के टीम को तत्काील संजीत-मंदसौर रोड ढाबला चौपाटी के यहां नाकेबंदी की, कुछ देर बाद मुखबिर के बताए अनुसार एक सफेद रंग की बोलेरो पिकअप क्रमांक एम.पी. 44 जीए 1141 आते दिखी जिसे रोककर पिकअप में बैठे दोनों व्यक्तियों के नाम पता पूछने पर उन्होकनें अपना नाम चेतन शर्मा एवं पवन मालवीय होना बताया। उक्ते व्योक्तियों की बोलेरो गाडी की तलाशी लेने पर उसमें पीछे रजाई गादी के नीचे 14 सफेद रंग के प्ला स्टिक के कटटे मिले जिनमें अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा भरा होना पाया गया , उक्त डोडाचूरा का तौल करने पर कुल वजन 275 किलो होना पाया गया, उक्त मादक पदार्थ परिवहन के संबंध में आरोपी से पूछे जाने पर कोई वैध लाईसेंस न होना बताया। मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर गिरफ्तारी पंचनामा बनाया गया, आरोपी के विरूद्ध पुलिस थाना मल्हासरगढ में अपराध क्रमांक 145/2017, धारा 8/15 एन.डी.पी.एस. की एफ.आई.आर. लेखबद्व कर प्रकरण विवेचना में लिया गया एवं अनुसंधान कार्य पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान प्रकरण में न्यायालय के समक्ष अभियोजन द्वारा रखे गये तथ्यों एवं तर्कों सें सहमत होकर माननीय न्यापयालय द्वारा आरोपीगण को दोषसिद्व किया। प्रकरण में अभियोजन का सफल संचालन विशेष लोक अभियोजक दीपक जमरा द्वारा किया गया।

अव्यवस्था- मंदसौर शहर का एक मात्र पिकनिक स्पॉट तेलिया तालाब परिसर में इन दिनों सफाई व्यवस्था नहीं होने से बड़ी मात्रा में कचरा पसरा पड़ा है। हालात इतने बदतर है कि बारिश का मौसम गए इतना समय होने के बाद भी अभी तक तलाब का पानी पिकनिक स्पॉट पर भरा हुआ है। जिसमें बड़ी मात्रा में मच्छर पनप रहे हैं। तेलिया तालाब परिसर में कई दिनों से सफाई नहीं हुई। जिससे कर्मा देवी जी वाले भाग में कचरा ही कचरा पसरा पड़ा है। वहां रखी डस्ट बिन में भरे पानी व कचरे में बदबू आ रही है। लेकिन, जिम्मेदारो का ध्यान इस ओर नहीं है?

निश्चित समयावधि में नागरिक सेवाओं की कानूनी गारंटी देने वाला देश का पहला राज्य है मध्यप्रदेश

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नागरिकों को अधिसूचित सेवाएँ प्रदाय करने की कानूनी गारंटी देने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। प्रदेश में 25 सितम्बर 2010 से लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम प्रभावशील है। वर्तमान में अधिनियम अंतर्गत 748 सेवाएँ अधिसूचित की जा चूंकि है। इन सेवाओं में लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से नागरिकों के लिए 342 सेवाएँ ऑनलाईन प्रदाय की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सुशासन के लिए संकल्पबद्ध मध्यप्रदेश सरकार ने प्रशासन को जनोन्मुखी बनाया हैं। नागरिकों की सुविधा को दृष्टिात रखते हुए समाधान एक दिन तत्काल सेवा, सीएम हेल्पलाईन 181 कॉल सेन्टर, महिला हेल्पलाईन, सीएम जन सेवा, दिव्यांग हेल्पलाईन आदि का क्रियान्वयन जनोन्मुखी प्रशासन के गवाही देते है।

मध्यप्रदेश सरकार ने नागरिक अधिकारों को सशक्त बनाने और सेवा प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए सुशासन की दिशा में समय-समय पर अनेक कदम उठाएँ है। मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम 2010 के बेहतर क्रियान्वयन के लिए पृथक से लोक सेवा प्रबंधन विभाग का गठन किया गया। वर्ष 2013 में राज्य लोक सेवा अभिकरण की स्थापना की गई। राज्य लोक सेवा अभिकरण में लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के क्रियान्वयन के साथ-साथ लोक सेवा केन्द्रों की स्थाना और संचालन का सीएम हेल्पलाईन कॉल सेंटर का संचालन और सीएम डेशबोर्ड का संचालन भी शामिल है। लोकसेवा केन्द्रों के माध्यम से नगारिकों को एक समयावधि में सेवाएँ प्रदाय करने के लिए सभी तहसीलों में 439 लोकसेवा केन्द्रों की स्थापना की गई है, जिनके माध्यम से विभिन्न विभागों की अधिसूचित सेवाएँ नागरिकों को प्रदाय की जा रही हो। अधिनियम के अंतर्गत विभाग की अधिसूचित सेवा 'जाति प्रमाण पत्र प्रदाय' अभियान के तहत लोकसेवा केन्द्रों द्वारा प्रदेश भर के स्कूलों के छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र प्रदान करने का अभियान सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान में अब तक लगभग 1 करोड 40 लाख डिजिटल हस्ताक्षरित रंगीन प्रमाण-पत्र प्रदान किए जा चुके है। प्रदेश में लोकसेवा गारंटी अंतर्गत अधिसूचित समस्त सेवाओं में 10 करोड 62 लाख आवेदनों का अब तक निराकरण किया जा चुका है। लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 अंतर्गत सेवाओं की प्रदाय की गारंटी हैं। प्रत्येक सेवा को प्रदाय करने की एक समयावधि भी तय की गई है। इसमें समय पर सेवा नहीं देने पर जिम्मेदार अधिकारी पर जुर्माना लगाने का प्रावधान भी है। अधिकारी वर्ग प्रतिदिन 250 रूपये से लेकर अधिकतम 5000 हजार रूपये तक की जुर्माना राशि जमा करने का प्रावधान है।

समाधान एक दिन तत्काल प्रदाय सेवा- नागरिकों को केवल एक दिन की समयावधि में सेवा उपलब्ध कराने की मंशा से मध्यप्रदेश शासन ने फरवरी 2018 में 'समाधान एक दिन तत्काल सेवा' व्यवस्था शुरू की। इस व्यवस्था में आवेदक द्वारा दोपहर पूर्व तक दिए गए आवेदन का निराकरण दोपहर पश्चात कर दिया जाता है। इस सेवा में डिजिटल हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र व्हाटसअप, ई-मेल के माध्यम से भी आवेदकों को भेजे जा रहे है, जिससे आवेदक अपनी सुविधा अनुसार प्रमाण-पत्र समाधान एक दिन तत्काल सेवा व्यवस्था में अब तक दो करोड 63 लाख से अधिक आवेदन निराकृत किए गए है। समाधान एक दिन में दी जाने वाली 32 सेवाओं में आय प्रमाण-पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र, ट्रेड लाइसेंस, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अंतर्गत सम्मिलित पात्र परिवारों को डुप्लीकेट पात्रता पर्ची जारी चालू खसरा, बी-1 खतौनी चालू नक्शा, खसरा की प्रतिलिपि (खाते के समस्त), अभिलेखागार प्रतिलिपि, राजस्व प्रकरण में आदेश की प्रतिलिपि, भू-अधिकार पुस्तिका का प्रथम बार प्रदाय, जिला स्तरीय रिकॉर्ड रूम से पारित आदेश/अंतरिम आदेश आदि की सत्यप्रतिलिपि इत्यादि कई सुविधाएँ प्रदान की जाती है।

संयुक्त राष्ट्र संघ से मिली सराहना- मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम अपनी तरह का पहला विशेष अधिनियम है जो निर्धारित समय-सीमा में नागरिकों को सार्वजनिक सेवाओं के प्रदान की गारंटी देता है। इसे वर्ष 2012 में अधिनियम को यूएनपीएसए पुरूस्कार प्राप्त हुआ। 'लोक सेवाओं के वितरण में सुधार वर्ग में इस अधिनियम को संयुक्त राष्ट्र का वर्ष 2012 को लोक सेवा पुरूस्कार भी प्राप्त हुआ है।

सरोदा के सरपंच को धारा 40 के तहत पद से पृथक करने का आदेश जारी

नीमच, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर द्वारा म.प्र.पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 40 के तहत ग्राम पंचायत सरोदा के सरपंच श्री कालूराम धाकड को पद से पृथक करने का आदेश जारी किया गया है। इस संबंध में जारी आदेश में बताया गया है, कि सरपंच श्री धाकड द्वारा अपने पदीय कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही बरती गई। ग्राम पंचायत द्वारा कराये गये कार्य ऐसे ठेकेदार को सौपे, जिनके द्वारा निर्माण कार्य में उपयंत्री के निर्देशों की अनदेखी की गई और घटियां निर्माण सामग्री का उपयोग कर घटिया निमार्ण कार्य किया गया। सरपंच द्वारा अपने पद का दुरूपयोग कर शासकीय धन राशि का दुरूपयोग किया गया। इस पर जिला पंचायत सी.ई.ओ.द्वारा जनपद सी.ई.ओ. के प्रतिवेदन पर सरोदा के सरपंच श्री कालूराम धाकड को पद से पृथक करने का आदेश जारी किया गया हैं।

हरवार का पटवारी परिहार निलंबित

नीमच, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। अनुविभागीय अधिकारी राजस्वग नीमच डॉ.ममता खेडे द्वारा जीरन तहसील के ग्राम हरवार के पटवारी श्री गोविंद सिह परिहार द्वारा ग्राम हरवार में स्वाचमित्वअ योजना के तहत ग्राउण्ड ट्रूथिंग कार्य के दौरान तैयार किए गए नक्शों की शीट क्रमांक 2 व 4 में अनियमितता करने और शासकीय कार्य में लापरवाही करने पर पटवारी श्री गोविंद सिह परिहार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया हैं। निलंबन काल में कार्यालय नीमच रहेगा और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। श्री परिहार के हल्कों का अतिरिक्त प्रभार पटवारी श्री मनोहर पाटीदार जीरन को सौंपा गया हैं।

कलेक्टर द्धारा जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान...

63 ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 63 ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान निवासी राकोदा के कंचन बाई के द्वारा वृद्धा पेंशन के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया जिस पर कलेक्टर द्वारा सीईओ जनपद पंचयात मंदसौर को निर्देश देतु हुए कहा कि पेंशन समस्या का निराकरण कर पेंशन का भुगतान जल्द करवायें। निवासी डासिया के जुझारलाल द्वारा खेत पर सिंचाई कार्य हेतु डीपी के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया जिस पर कलेक्टर द्वारा एसई एमपीईबी को निर्देश दिये की आवेदन की जांच कर डिपी लगवाएं। निवासी धमनार के शैलेन्द्र कुमार द्वारा अर्जित अवकाश नगदीकरण के भुगतान के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया जिस पर कलेक्टर द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि अर्जित अवकाश नगदीकरण का भुगतान जल्द करें। जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुडवाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता, आपसी विवाद, शिक्षा ऋण दिलाने, सामुदायिक सुविधा घर (कम्युनिटी टायलेट) बनवाने आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल एवं जिला अधिकारी मौजूद थे।

सभी राजस्व अधिकारी एक हेक्टेयर या उससे अधिक शासकीय जमीन चिन्हित कर लैण्ड बैंक तैयार करें-चंद्रा

जिला अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

नीमच, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिलों के सभी राजस्व अधिकारी शहरी क्षेत्र एवं उसके पास के गांवों में एक हेक्टेयर या उससे अधिक शासकीय जमीन चिन्हित कर विभिन्न शासकीय प्रोजेक्ट के लिए आवंटित करने के लिए लैण्ड बैंक तैयार कर, जानकारी प्रस्तुत करें। यह निर्देश कलेक्टंर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे आवंटित पांच-पांच ग्राम पंचायतों का नियमित रूप से भ्रमण कर, उन ग्राम पंचायतों में शासकीय योजनाओं, कार्यक्रमों के क्रियान्वयन, प्रगति की मौके पर नियमित रूप से समीक्षा करें। आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक के लोगो के आयुष्मान कार्ड बनवाएं। फार्मर आईडी पंजीयन, राजस्व महाअभियान 3.0 एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना के तहत आवंटित ग्राम पंचायतों में शतप्रतिशत सेचुरेशन सुनिश्चित करवाएं साथ ही किसानों को खाद, बीज की उपलब्धता की भी मॉनिटरिंग करें और यदि कही कोई समस्या है, तो प्रशासन के संज्ञान में लाए।

शनिवार को शिकायतों के निराकरण के लिए विशेष शिविर- बैठक में सीएम हेल्पहलाईन की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि आगामी शनिवार को सीएम हेल्पलाईन की शेष शिकायतों के निराकरण के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में संबंधित विभाग आवेदकों को आमंत्रित कर उनकी समस्याओं को सुनकर उनका शिविर में ही निराकरण कर, सीएम हेल्पवलाईन में दर्ज शिकायतों को संतुष्टी के साथ संबंधित आवेदक से बंद करवाना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने 50 दिवस से अधिक की और समाधान ऑनलाईन में दर्ज शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता से बंद करवाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का भी संतुष्टी के साथ निराकरण कर, संबंधित आवेदक को अवगत कराने के निर्देश भी सभी जिला अधिकारियों को दिए हैं।

राज्य स्तरीय कुराश प्रतियोगिता में 2 विद्यार्थियों का चयन

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री साई पब्लिक स्कूल दलौदा में अध्ययनरत छात्रा जय पाटीदार पिता प्रेमचंद पाटीदार गांव आकोदडा कक्षा 8वी एवं छात्र अभिषेक गुर्जर पिता वरलाल गुर्जर गांव झिरकन कक्षा 6टी का राज्य स्तरीय कुराश प्रतियोगिता में चयन हुआ है विद्यालय कोच दिनेश धाकड ने बताया कि चयनित खिलाडी 13 से 17 नवंबर 2024 तक इंदौर में आयोजित होने वाली स्कूली शालेय राज्य स्तरीय कुराश प्रतियोगिता में उज्जैन संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर संस्था संचालक श्री मोहसिन अख्तर , सहायक संस्था संचालक श्री नबील अख्तर एवं खेल प्रशिक्षक अभिषेक सेठिया, सपना धाकड, जयेश माली, आरती चंद्रावत, एवं समस्त विद्यालय परिवार ने चयनित खिलाडीयों एवं उनके परिवारजन को शुभकामनाएं प्रेषित की एवं उनके उजाल भविष्य की कामना की।

30 जून व 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों को मिलेगा एक वेतनवृद्धि का लाभ, मोहन कैबिनेट ने दी मंजूरी

भोपाल, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में 30 जून और 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को एक वेतनवृद्धि का लाभ दिया जाएगा। इसके आधार पर ही उनकी पेंशन का निर्धारण भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

बता दें कि अभी तक 30 जून और 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को जुलाई और जनवरी में मिलने वाले वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ नहीं मिलता था। हाईकोर्ट ने कुछ प्रकरणों में कर्मचारियों के पक्ष में निर्णय दिया तो वित्त विभाग ने यह आदेश जारी कर दिया कि जिन मामलों में कोर्ट का निर्णय होगा, उन्हें ही लाभ दिया जाएगा। इसे अव्यवहारिक माना गया। मुख्य सचिव अनुराग जैन के समक्ष जब यह विषय आया तो उन्होंने एक जैसी व्यवस्था बनाने की बात कही, जिस पर वित्त विभाग ने यह प्रस्ताव तैयार किया कि जो कर्मचारी 30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होंगे, उन्हें भी वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ दिया जाएगा और उसके हिसाब से पेंशन का निर्धारण होगा।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत आज से

नीमच, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। माहेश्वरी समाज नीमच के श्री राम मंदिर में होने वाली भगवान चारभुजा नाथ जी की पुनीत प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम जिसके लाभार्थी श्री रामनाथ रामकिशन जी गट्ठानी परिवार, नीमच के दिव्य महा अनुष्ठान की भव्य शुरुआत आज सुबह माहेश्वरी भवन से निकलने वाली ध्वजा यात्रा से होगी जो पुस्तक बाजार होते हुए राम मंदिर पहुंचेगी। उसके बाद पूर्ण विधि विधान से भगवान चारभुजा नाथ जी का कलश पूजन, हवन एवं अभिषेक कार्यक्रम राम मंदिर, तिलक मार्ग पर होगा।शाम 7:30 बजे से माहेश्वरी भवन नीमच में पंडित माधव रामानुज जी शास्त्री (पिपलिया धाम) के मुखारविंद से भव्य संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। उपरोक्त जानकारी समाज अध्यक्ष सुरेश अजमेरा, सचिव नवीन गट्ठानी, प्रवक्ता दीपक मूंदडा , शिव गट्ठानी एवं मनोज नवाल द्वारा दी गई।

इन प्रस्तावों पर भी लगी मुहर...

कैबिनेट में नर्मदापुरम के बाबई मोहासा में नवकरणीय उर्जा के लिए भूमि की आवंटित करने का निर्णय लिया गया। मुरैना में बनेगा सोलर एनर्जी स्टोरेज का प्लांट। भोपाल के भंवरी में अतिरिक्त भूमि की आवंटित। 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की जन्म जयंती पर धार और शहडोल में होंगे राज्य स्तरीय कार्यक्रम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे।

हरित कुंभ 2025: 'एक थैला एक थाली' अभियान का शुभारंभ

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आगामी वर्ष जनवरी 2025 में प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होने वाला है इस बार यह कुंभ प्लास्टिक मुक्त कुंभ हो ऐसा संकल्प संत समाज ने लिया है जिसमे सम्पूर्ण हिन्दू समाज अपनी भागीदारी करने वाला है इस महाकुंभ में देश विदेश से लगभग 40 करोड श्रद्धालु पहुंचने वाले है 45 दिन तक चलने वाले इस कुंभ में प्लास्टिक की वजह से करीब 40 हजार टन कचरा उत्सर्जित होने का अनुमान है जिससे पर्यावरण को कितना नुकसान होगा ये चिंता का विषय है इसको लेकर शासन प्रशासन अपने स्तर पर कार्य करेगा परंतु हम अपने स्तर पर कैसे इस होने वाले कचरे को रोक सके या कम कर सके इसको लेकर एक अभियान ष्एक थाली, एक थैलाष् चलाया गया है जिसके तहत थाली और थैला एकत्रित कर प्रयागराज भेजा जायेगा जिन्हे वहां बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन पर कुंभ में आने वाले यात्रियों को दिये जायेगे जिससे वे भोजन इसी थाली में करेंगे और सामग्री थैले में लेंगे जिससे महाकुंभ को प्लास्टिक से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। इस महान संकल्प में अपने शहर का भी योगदान हो इसी उद्देश्य को लेकर एक बैठक आज समर्पण भवन पर संपन्न हुई जिसमे निर्णय लिया गया की शहर के व्यापारीक संघ, औद्योगिक संघ, सामाजिक संस्थाएं शैक्षणिक संस्थाएं, नारी शक्ति, धार्मिक संस्थाएं, मेडिकल एसोसिएशन, सीए चार्टर्ड , सोसाइटी संस्थाएं, आदि के सहयोग से प्रयागराज महाकुम्भ में 10000 थैला और 10000 थाली भगवान पशुपतिनाथ की नगरी से जाएगी।

इस हेतु एक बैठक समर्पण संघ कार्यालय पर संपन्न हुई । बैठक में प्रयागराज से आए पत्रक का विमोचन किया गया इस बैठक में विभाग प्रचारक श्री अजय सिंह गौड एवं विभाग पर्यावरण प्रमुख श्री यशवंत जी यादव द्वारा कार्य योजना बनवाई गई तथा विभिन्न टोलीया का भी गठन हुआ। बैठक में रामेश्वर धाकड, दशरथ सिंह झाला, देवेंद्र मरच्या, जयदेव सिंह चौहान, भगवती लाल शर्मा, राजकुमार राठौर, अजय शर्मा, उमेश पारीख, सुखदेव ठंना, अविनाश गोड, संजय महाराणा, निशा महाराणा प्राचार्य सरस्वती विहार मंदसौर ने भाग लेकर आव्हान किया कि पर्यावरण संरक्षण गतिविधि ,महाकुंभ को प्लास्टिक के कचरे से बचाने के लिए एक थाली और एक थैला अभियान में सहयोग कर इस पवित्र कार्य में अपना योगदान दे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का 15 से होगा शुभारंभ

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जनजातीय कार्य विभाग जिला संयोजक ने बताया कि भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती 15 नवम्बर 2024 के अवसर पर धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ होगा। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत जिले के 4 ग्रामों का चयन किया गया है जिसमें विकासखण्ड मंदसौर के ग्राम बालोदिया, सीतामऊविकासखण्ड के ग्राम दम्माखेडी ग्राम पंचायत लदूना, भानपुरा विकासखण्ड के ग्राम धावदबुजूर्ग व ग्राम भरत्याखेडी ग्राम पंचायत खजुरना शामिल है।

किसानों ने बंद किया मंडी... पेज 1 से जारी

के मुताबिक मंडी प्रशासन और व्यापारी मिलकर दामों पर नियंत्रण कर रहे हैं। जबकि, नजदीकी मंदसौर और पिपलिया की कृषि उपज मंडी में प्याज के दामों में करीब हजार से 1500 रुपए का अंतर है। नीमच कृषि उपज मंडी में प्याज सही दामों पर नहीं खरीदी जा रही। किसानों का आरोप है कि जो लोग तीन दिन पहले आए हैं, उनकी उपज नीलाम नहीं हुई। जबकि, एक दिन पहले आए किसानों की उपज मिलीभगत से जल्दी नीलाम कर दी गई। किसानों ने मांग की है कि मंडी की अवस्थाओं को दूर किया जाए। साथ ही, उन्हें प्याज का दाम अन्य मंडियों के सामान दिया जाए। वहीं, मंडी निरीक्षक समीर दास ने किसानों से चर्चा की। उनकी समस्याओं का निराकरण का आश्वासन दिया। इसके बाद गेट खोला गया।

काचरिया कदमाला में 21 नि:शुल्क साइकिल का वितरण

मंदसौर, 12 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शासन की योजना अनुसार निशुल्क साइकिल वितरण श्री राजेंद्रसिंह राणा मंडल अध्यक्ष बुढा के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। साथ ही इस अवसर पर जनप्रतिनिधि श्री भोपालसिंह सोलंकी जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 3 ,श्री चेनसिंह बोराना सरपंच काचरिया कदमाला, श्री सज्जनसिंह चौहान, श्री नरेंद्र सिंह, श्री करण सिंह बोराना आदि अन्य अतिथि भी उपस्थित रहे। उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत विद्यालय के प्राचार्य श्री बी.एल मोदी एवं अन्य उपस्थित शिक्षक साथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों ने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को नियमित विद्यालय आने एवं अच्छी शिक्षा ग्रहण करने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर 21 छात्र-छात्राओं को निशुल्क साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक मनोज कुमार धानिया द्वारा किया गया। विद्यालय के अन्य शिक्षक साथी राजूलाल कटारा, जसवंतसिंह चौहान ,श्रीमती किरण भाटी, श्रीमती मधु मुनिया बालमुकुंद धाकड ,श्रीमती अनीता चौहान ,दिलीप वर्मा उपस्थित रहे।

कार्यालय पंजीयन प्राधिकरण एवं जिला परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक- मंदसौर, दिनांक-

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं प्रमोद सेठिया पिता जगन्नाथजी जनता कालोनी, मंदसौर आधार कार्ड के अनुसार मेरा व मेरे पिताजी का नाम ड्रायविंग लायसेंस में परिवर्तन करवाना चाहता हूं।

इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो तो वो विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा व नाम परिवर्तन कर दिया जावेगा।

गलत नाम	सही नाम
PRAMOD SETHIA JAGANNATH JI	PRAMOD KUMAR SETHIA JAGANNATH SETHIA

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

आवश्यकता है

दैनिक **गुरु एक्सप्रेस**

की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार (मंदसौर निवासी ही सम्पर्क करें)

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in